

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

भारत ने रचा इतिहास : IIT BHU के पूर्व छात्र ने बनाया दुनिया का पहला गाने और सुर बदलने वाला एआई मॉडल

Publisher

Published on 31 Oct 2025



भारत ने एक बार फिर तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में दुनिया को चौंका दिया है। IIT (BHU) वाराणसी के एक पूर्व छात्र ने ऐसा एआई मॉडल तैयार किया है जो आवाज़ ही नहीं बल्कि सुर और गाने तक बदल सकता है। इस मॉडल को “स्पीच-टू-स्पीच बेसिक एआई” कहा जा रहा है, जो दुनिया का पहला ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम है जो इंसानों की भावनाओं को महसूस कर उनके सुर और गाने के टोन को उसी के अनुसार बदलने में सक्षम है।

यह इनोवेशन न केवल तकनीकी जगत में भारत की साख को बढ़ाता है बल्कि यह भी साबित करता है कि भारत अब केवल तकनीकी उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार का वैश्विक केंद्र बन चुका है। IIT BHU के इस पूर्व छात्र ने एआई तकनीक का उपयोग कर ऐसा सिस्टम तैयार किया है जो किसी व्यक्ति की आवाज़ सुनकर उसके भावों की पहचान करता है — जैसे खुशी, गुस्सा, दुख या उत्साह — और उसी के मुताबिक आवाज़ के टोन और लय को बदल देता है।

इस मॉडल की सबसे खास बात यह है कि यह रियल टाइम में आवाज़ को परिवर्तित कर सकता है। इसका मतलब है कि यदि कोई व्यक्ति गाना गा रहा है, तो यह एआई उस गाने के सुर, ताल और भाव को बदल सकता है, जिससे यह बिल्कुल नया संगीत अनुभव प्रदान करता है।

तकनीकी दृष्टि से देखें तो यह “स्पीच टू स्पीच” एआई मॉडल पूरी तरह भारतीय तकनीशियनों द्वारा विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य मानव संचार और मशीन लर्निंग के बीच एक नई कड़ी स्थापित करना है। यह मॉडल आवाज़ के डेटा को डीप लर्निंग एल्गोरिद्म के माध्यम से विश्लेषित करता है और फिर उसी पैटर्न पर एक नया आउटपुट तैयार करता है। इस प्रक्रिया में यह न केवल बोलने का अंदाज़ बल्कि भावनात्मक स्वरूप को भी शामिल करता है।

यह एआई मॉडल भविष्य में मनोरंजन उद्योग, शिक्षा, और चिकित्सा जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। उदाहरण के तौर

पर, म्यूजिक प्रोडक्शन में इसका उपयोग नए सुर और गानों की रचना के लिए किया जा सकेगा। वहीं शिक्षा क्षेत्र में यह शिक्षक की आवाज़ और टोन को छात्रों के मूड के अनुसार एडजस्ट कर सकता है, जिससे ऑनलाइन लर्निंग का अनुभव और भी रोचक बन जाएगा।

इतना ही नहीं, इस मॉडल को हेल्थकेयर सेक्टर में भी उपयोगी माना जा रहा है। यह डिप्रेशन या तनाव से जूझ रहे मरीजों की आवाज़ में छिपे भावों को पहचानकर मानसिक स्वास्थ्य विश्लेषण में मदद कर सकता है। भविष्य में यह तकनीक वॉयस असिस्टेंट्स जैसे Alexa या Siri को और अधिक मानवीय बना सकती है, जो उपयोगकर्ता की भावनाओं के आधार पर प्रतिक्रिया देंगे।

IIT BHU के इस पूर्व छात्र ने कहा कि यह प्रोजेक्ट भारत में विकसित हुआ है और इसका मकसद “लोकल टू ग्लोबल” तकनीकी सोच को आगे बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि आने वाले महीनों में इस मॉडल का उन्नत संस्करण लॉन्च किया जाएगा, जिसमें यह 20 से अधिक भाषाओं में आवाज़ों को समझ और बदल सकेगा।

दुनिया भर के तकनीकी विशेषज्ञ इस एआई मॉडल की प्रशंसा कर रहे हैं। उनका कहना है कि भारत से आने वाला यह नवाचार न केवल देश की प्रतिभा का परिचायक है, बल्कि यह ग्लोबल एआई डेवलपमेंट में भारत की अग्रणी भूमिका को भी स्थापित करता है।

इस मॉडल के आने से भारत एआई तकनीक की उस दिशा में कदम रख चुका है, जहां मशीनें सिर्फ आदेश नहीं मानेंगी, बल्कि इंसानों की भावनाओं को समझकर उनके साथ जुड़ाव महसूस करेंगी। यह सिर्फ तकनीकी क्रांति नहीं बल्कि “इमोशनल एआई” के युग की शुरुआत है।

कुल मिलाकर, IIT BHU के पूर्व छात्र द्वारा बनाया गया यह “गाने और सुर बदलने वाला एआई मॉडल” भारत की वैज्ञानिक सोच, तकनीकी क्षमता और रचनात्मकता का शानदार उदाहरण है। यह आने वाले समय में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया में संगीत, संचार और तकनीक की परिभाषा बदलने वाला साबित हो सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.